

न्यूज़ टुडे

नासा ने चंद्रमा पर जल का पता लगाने के लिए सैटेलाइट लॉन्च की

स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट ने नासा के लूनर ट्रेलब्लेज़र ऑर्बिटर को सेकेंडरी पेलोड के रूप में लॉन्च किया। प्राथमिक पेलोड इंटरव्यूटिव मशीन का लूनर लैंडर मिशन (IM-2) था।

IM-2 का उद्देश्य: चंद्रमा पर रकना और जल की खोज के लिए सतह के नीचे खुदाई करना है।

लूनर ट्रेलब्लेज़र मिशन के बारे में

- उद्देश्य: यह चंद्रमा की सतह से लगभग 100 किमी. की ऊंचाई पर चंद्रमा की परिक्रमा करेगा और लक्षित क्षेत्रों की हाई-रिज़ॉल्यूशन वाली तस्वीरें एकत्र करेगा, ताकि निर्धारित किया जा सके:
 - चंद्रमा पर मौजूद जल के स्वरूप, वितरण एवं उपलब्धता का पता लगाएगा। साथ ही, यह मिशन चंद्रमा के जल चक्र को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा।
- महत्त्व: जल संसाधनों का पता लगाने और निकालने के लिए भविष्य के मानव मिशनों को गाइड करना।
- घटक: दो लूनर ट्रेलब्लेज़र उपकरण चंद्र कक्षा से माप लेंगे।
 - लूनर थर्मल मैप (LTM): चंद्र सतह के तापमान का मानचित्रण और माप करेगा।
 - हाई-रिज़ॉल्यूशन वोलेटाइल्स और मिनरल्स मून मैप (HVM3): यह चंद्रमा पर जल का संकेत देने वाले प्रकाश पैटर्न की खोज करेगा।

चंद्रमा पर मौजूद जल का महत्त्व

- पीने योग्य पानी: वहां पर पाए जाने वाले जल को पीने योग्य पानी में परिवर्तित किया जा सकेगा।
- सांस लेने योग्य ऑक्सीजन: जल में घुलित ऑक्सीजन को सांस लेने के लिए ऑक्सीजन में परिवर्तित किया जा सकेगा।
- रॉकेट ईंधन: रॉकेट के लिए हाइड्रोजन ईंधन प्राप्त किया जा सकेगा।
- सौरमंडल का अन्वेषण: चंद्रमा पर मौजूद जल मंगल ग्रह सहित डीप स्पेस एक्सप्लोरेशन को संभव बनाएगा।

चंद्रमा पर जल की खोज से जुड़े प्रमुख मिशन

- 2009-चंद्रयान-1**
इसरो के चंद्रयान-1 ने अपने मून मिनरलॉजी मैप (M3) के माध्यम से चंद्रमा पर सूर्य का प्रकाश पड़ने वाले क्षेत्रों में हाइड्रेटेड खनिजों (OH/ H2O) के संकेतों का पता लगाया था।
- 2009-केसिनी और डीप इम्पैक्ट**
नासा के मिशनों ने चंद्रयान-1 द्वारा चंद्रमा पर हाइड्रेटेड खनिजों के संकेतों की पुष्टि की थी।
- 2009-2018-LRO अवलोकन**
लूनर रीकॉन्नेक्स ऑर्बिटर ने ध्रुवों के पास स्थायी रूप से सूर्य प्रकाश रहित क्षेत्रों में वाटर आइस के संबंध में निरंतर डेटा प्रदान किया है।
- 2018-चंद्रयान-1 डेटा का पुनः विश्लेषण**
M3 डेटा के विश्लेषण से उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाले मानचित्र तैयार हुए। इससे चंद्रमा के ध्रुवों के पास स्थायी रूप से सूर्य प्रकाश रहित क्षेत्रों में वाटर आइस के प्रमाण की पुष्टि हुई।
- 2020-सोफिया डिस्कवरी**
नासा के स्ट्रेटोस्फेरिक ऑब्जर्वेटरी फॉर इन्फ्रारेड एस्ट्रोनॉमी (SOFIA) ने क्लेवियस क्रेटर में सूर्य का प्रकाश पड़ने वाले क्षेत्रों में जल के अणुओं (H2O) का पता लगाया।
- 2023-पहला विस्तृत जल मानचित्र**
सोफिया के डेटा के आधार पर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर जल-वितरण का विस्तृत मानचित्र जारी किया गया था।
- 2023-चंद्रयान-3**
इसरो का चंद्रयान-3 चंद्रमा पर संभावित वाटर आइस वाले क्षेत्र का अध्ययन करने के लिए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफलतापूर्वक उतरा था।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संशोधित वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को मंजूरी दी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार संशोधित वक्फ विधेयक में संयुक्त संसदीय समिति (JPC) के सुझावों को भी शामिल किया गया है।

इससे पहले, न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) राजिंदर सच्चर की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों और JPC की रिपोर्ट के आधार पर 2013 में वक्फ कानून में संशोधन किए गए थे।

वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 के बारे में

- उद्देश्य: वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन द्वारा वक्फ संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करना।
- विधेयक के मुख्य प्रावधान:
 - वक्फ प्रबंधन को समावेशी बनाना: मुस्लिम महिलाओं और मुस्लिम OBCs को केंद्रीय वक्फ परिषद एवं राज्य वक्फ बोर्ड में शामिल करके वक्फ प्रबंधन को समावेशी बनाने का प्रस्ताव किया गया है।
 - केंद्रीय वक्फ परिषद: यह एक वैधानिक संस्था है और इसकी स्थापना 1964 में हुई थी। यह परिषद भारत में राज्य-स्तरीय वक्फ बोर्डों की निगरानी करता है और सलाह देता है। यह स्वयं वक्फ संपत्तियों पर प्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं रखता है।
 - राज्य वक्फ बोर्ड: इसे वक्फ संपत्तियों के रखरखाव और प्रशासन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।
 - अधिकरणों के आदेशों के खिलाफ अपील: वक्फ के किसी मामले पर अधिकरणों के आदेशों के खिलाफ 90 दिनों के भीतर उच्च न्यायालय में अपील की जा सकती है।
 - अन्य प्रावधान:
 - वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण में प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा दिया गया है।
 - अचाखानी और बोहरा समुदायों के लिए अलग-अलग वक्फ बोर्डों के गठन का प्रस्ताव किया गया है, आदि।

वक्फ कानून में संशोधन की आवश्यकता क्यों है?

- एक बार जब कोई संपत्ति वक्फ हो जाती है, तो वह हमेशा वक्फ ही रहती है।** इस सिद्धांत का पालन करने की वजह से कई तरह के विवाद पैदा होते हैं और कई प्रकार के दावे किए जाते हैं।
- वक्फ अधिकरण के निर्णय की न्यायिक समीक्षा नहीं की जा सकती है।**
- सर्वे कमिश्नर द्वारा वक्फ संपत्तियों का सही से सर्वेक्षण कार्य नहीं किया जाता है।**

'वक्फ' क्या है?

- यह इस्लामी कानून के तहत धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए सौंपी गई संपत्ति है। इन संपत्तियों का अन्य किसी उद्देश्य के लिए उपयोग या बिक्री प्रतिबंधित है।
- वक्फ संपत्तियां अल्लाह को समर्पित होती हैं और इन्हें विशेष रूप से नियुक्त 'मुतवल्ली' द्वारा प्रबंधित और प्रशासित किया जाता है।
- भारत में वर्तमान में 8.7 लाख वक्फ संपत्तियां हैं, जो 9.4 लाख एकड़ भूमि में फैली हुई हैं।
 - भारत में विश्व की सबसे अधिक वक्फ संपत्तियां हैं।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने घड़ियाल की आबादी बढ़ाने के लिए चंबल नदी में 10 घड़ियाल छोड़े

यह पहल घड़ियाल संरक्षण में राज्य के अग्रणी प्रयास को पुष्ट करती है, क्योंकि मध्य प्रदेश में भारत के 80% से अधिक घड़ियाल पाए जाते हैं।

घड़ियाल (गेवियलिस गैंगेटिकस) के बारे में

- घड़ियाल भारतीय उपमहाद्वीप की स्थानिक प्रजाति है, जिसकी थूथन लंबी होती है।
- घड़ियाल का नाम 'घड़ा' शब्द से लिया गया है। घड़ा एक भारतीय शब्द है, जिसका इस्तेमाल एक बर्तन के लिए किया जाता है। यह नाम उसके थूथन के अंत में एक बल्बनुमा नाँब की मौजूदगी के कारण दिया गया है।
- संरक्षण स्थिति:
 - यह IUCN के तहत क्रिटिकली एंडेंजर्ड के रूप में सूचीबद्ध है।
 - यह वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I और CITES के परिशिष्ट-I में शामिल है।
- पर्यावास: रेतीले किनारों वाली ताजे पानी की नदियां।
- ऐतिहासिक प्राकृतिक प्रसार: भारत, भूटान, बांग्लादेश, नेपाल और पाकिस्तान में सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र एवं महानदी-ब्राह्मणी-वैतरणी नदी प्रणाली में।
- वर्तमान प्राकृतिक प्रसार: ये मुख्य रूप से चंबल, गिरवा आदि (भारत), और राप्ती-नारायणी (नेपाल) नदियों में पाए जाते हैं। साथ ही, इनकी कुछ आबादी केन, यमुना, ब्रह्मपुत्र, घाघरा और भागीरथी-हुगली नदियों में भी पाई जाती है।

खतरे:

- कृषि और औद्योगिक विस्तार के साथ-साथ प्लास्टिक प्रदूषण के कारण पर्यावास का विनाश।
- मछली पकड़ने के उपकरण में उलझना और डूब कर मर जाना।
- अन्य परभक्षियों द्वारा इनके अंडों को खाना; त्वचा और मांस तथा शरीर के अंगों का चिकित्सा में उपयोग के लिए अवैध शिकार आदि।

संरक्षण प्रयास:

- कैप्टिव ब्रीडिंग और पुनर्वास: इसमें देवरी घड़ियाल प्रजनन केंद्र (मध्य प्रदेश) और कुकरैल पुनर्वास केंद्र (लखनऊ) शामिल हैं। बिहार में गंडक नदी घड़ियालों के लिए एक सफल प्रजनन स्थल रही है।
- राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य: घड़ियालों का सबसे बड़ा पर्यावास।
- प्रोजेक्ट क्रोकोडाइल को 1975 में शुरू किया गया था।

भारत में अन्य मगरमच्छ प्रजातियां



खारे पानी का मगरमच्छ (क्रोकोडाइलस पोरोसस)

- IUCN स्थिति: लिस्ट कंसर्नी
- पर्यावास: सुंदरबन, भितरकनिका वन्यजीव अभयारण्य (ओडिशा), और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह।



मगर (क्रोकोडाइलस पलुस्ट्रिस)

- IUCN स्थिति: वल्नरेबल
- पर्यावास: भारत के 15 राज्यों में नदियां, झीलें और दलदली क्षेत्र। मध्य गंगा, चंबल नदी और गुजरात में इनकी काफी आबादी पाई जाती है।

चंद्रयान डेटा से चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र का पहला विस्तृत भूवैज्ञानिक मानचित्रण किया गया

इसरो के और अन्य शोधकर्ताओं ने प्रज्ञान रोवर से प्राप्त डेटा का उपयोग करते हुए चंद्रमा का पहला विस्तृत मानचित्र तैयार किया है। प्रज्ञान रोवर को चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर द्वारा चंद्रमा पर 9 दिवसीय मिशन के लिए भेजा गया था।

- साउथ पोल-एटकेन बेसिन: विक्रम लैंडर इस प्राचीन और विशाल क्रेटर के पास उतरा था, जो सौरमंडल का एक बड़ा क्रेटर है।

चंद्रयान-3 द्वारा चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के अन्वेषण से जुड़े प्रमुख निष्कर्ष

- भू-भाग के प्रकार: ऊंचे-ऊंचे उतार-चढ़ाव वाले भू-दृश्य और निचले व समतल मैदान।
- सब्सर्फेस मैग्मा ओशन की पुष्टि: इससे पिघले हुए लावा के प्राचीन विशाल भंडार की पुष्टि होती है, जो पूरे चंद्रमा में फैला हुआ है।
- चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र की आयु: इसे लगभग 3.7 बिलियन वर्ष पुराना माना गया है, जो उस समय के आसपास का है, जब पृथ्वी पर सूक्ष्मजीवों का उद्भव हुआ था।
- पृथ्वी के साथ एक समान उत्पत्ति: पृथ्वी के साथ चंद्रमा की भू-रासायनिक समानताएं इस सिद्धांत का समर्थन करती हैं कि दोनों पिंडों की उत्पत्ति एक ही पिघले हुए पदार्थ से हुई है।
 - यह संभवतः पृथ्वी और मंगल ग्रह के आकार के एक समान विशाल पिंड के बीच 4.5 बिलियन साल पहले हुई एक विशाल टक्कर के कारण हुआ होगा।

चंद्रमा के क्रेटरों का महत्त्व

- चंद्रमा के क्रेटर करोड़ों वर्षों से संरक्षित हैं, क्योंकि वहां वायुमंडलीय अपरदन नहीं होता है।
- ये चंद्रमा के शुरुआती इतिहास के महत्वपूर्ण संकेत प्रदान करते हैं और अन्य ग्रहों की भूगर्भीय विशेषताओं का समय निर्धारण करने में सहायता करते हैं।
- चंद्र क्रेटर टाइम-कैप्सूल की तरह होते हैं, जो संपूर्ण सौर मंडल को आकार देने वाले अंतरिक्ष से चट्टान या पिंडों के टकराव के रिकॉर्ड को संरक्षित रखे हुए हैं।

चंद्रयान-3 मिशन

मिशन के बारे में:

चंद्रयान-2 के बाद के इस मिशन का उद्देश्य चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंडिंग और रोवर के सफलतापूर्वक संचालन की पूर्ण क्षमता का प्रदर्शन करना था।

घटक:



विक्रम लैंडर



प्रज्ञान रोवर

LVM3 रॉकेट द्वारा लॉन्च किया गया।

मिशन के उद्देश्य:



सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग का प्रदर्शन करना।



चंद्रमा की सतह पर रोवर के संचालन का प्रदर्शन करना।



स्वस्थाने वैज्ञानिक प्रयोग करना।

मिशन की अवधि: एक चंद्र दिवस (पृथ्वी के 14 दिन) तक।

यह चंद्रमा के उच्च अक्षांशीय ध्रुवीय क्षेत्र में लैंड करने वाला पहला मिशन था।
इसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव से 630 किमी दूर लैंड किया था।

तमिलनाडु ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020 के तहत स्कूलों में त्रि-भाषा नीति का विरोध किया

केंद्र सरकार ने तमिलनाडु को समग्र शिक्षा योजना के तहत मिलने वाली धनराशि रोक दी है। ऐसा इस कारण, क्योंकि राज्य ने नई शिक्षा नीति (NEP), 2020 के अनुसार त्रि-भाषा नीति लागू करने से इनकार कर दिया है।

▶ तमिलनाडु वर्तमान में 2 भाषा नीति (तमिल और अंग्रेजी) का पालन कर रहा है।

त्रि-भाषा नीति के बारे में

▶ उद्देश्य: इसका उद्देश्य बहुभाषावाद को बढ़ावा देना और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना है।

▶ नई शिक्षा नीति के अनुसार प्रत्येक छात्र को तीन भाषाएं सीखनी होंगी:

⊕ इनमें से दो भाषाएं भारत की होनी चाहिए।

⊕ भाषा चुनने का अधिकार राज्यों और छात्रों को दिया गया है।

▶ नीति का विकास

⊕ विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग (1948-49): इस आयोग की अध्यक्षता डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने की थी। आयोग ने स्कूली शिक्षा के लिए त्रि-भाषा फॉर्मूले की सिफारिश की थी। इसके परिणामस्वरूप त्रि-भाषा फॉर्मूला सामने आया था।

⊕ कोठारी आयोग (1964-66): इस आयोग ने औपचारिक रूप से त्रि-भाषा नीति प्रस्तावित की थी।

⊕ अलग-अलग शिक्षा नीतियों में त्रि-भाषा नीति का समावेशन:

- ◆ इसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 1968 में शामिल किया गया था।
- ◆ NEP, 1986 और 1992 में भी त्रि-भाषा फॉर्मूला बरकरार रखा गया था।
- ◆ NEP, 2020 में भी अधिक लचीलेपन के साथ त्रि-भाषा फॉर्मूले को यथावत रखा गया है।
- » NEP, 2020 में हिंदी का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया, बल्कि दो क्षेत्रीय भाषाओं की बात कही गई है।

त्रि-भाषा नीति से जुड़ी चिंताएं



हिंदी भाषा थोपने की आशंका



अधिक शैक्षणिक भार (अतिरिक्त भाषा सीखने से दबाव बढ़ता है)



राज्यों की अपनी भाषा संबंधी नीतियां होती हैं



वित्तीय और संचालन संबंधी बाधाएं

अन्य सुर्खियां



ओलिव रिडले

एक अध्ययन से पता चलता है कि ओलिव रिडले कछुओं की संख्या बढ़ रही है। हालांकि, समुद्री तट की रेत का बढ़ता तापमान अंडे से निकलने वाले बच्चों के लिंगानुपात में असंतुलन बना रहा है।

ओलिव रिडले कछुओं के बारे में

- ▶ यह समुद्री कछुओं की सबसे छोटी और सबसे प्रचुर मात्रा में पाई जाने वाली प्रजातियों में से एक है।
- ▶ अरिबादा परिघटना: यह एक सामूहिक और एक साथ अंडे देने की प्रक्रिया है, जो केवल ओलिव रिडले कछुओं में पाई जाती है।
- ▶ पर्यावास: यह प्रजाति मुख्य रूप से प्रशांत, हिन्दी और अटलांटिक महासागरों के गर्म जल में पाई जाती है।
- ▶ भारत में प्रमुख नेस्टिंग साइट्स: गहिरमाथा, रुशिकुल्या और देवी नदी (ओडिशा)।
- ▶ संरक्षण स्थिति
 - ⊕ IUCN स्थिति: वल्नरेबल।
 - ⊕ CITES: परिशिष्ट-I में सूचीबद्ध।
 - ⊕ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972: अनुसूची-I में सूचीबद्ध।
- ▶ संरक्षण प्रयास: भारतीय तट रक्षक द्वारा टर्टल एक्सक्लूडर डिवाइस (TEDs) और ऑपरेशन ओलिविया।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने भारत की समुद्री अवसंरचना के आधुनिकीकरण के लिए कई पहलें शुरू कीं

प्रमुख पहलें इस प्रकार हैं:

- ▶ वन नेशन-वन पोर्ट प्रोसेस (ONOP): यह पहल भारत के प्रमुख बंदरगाहों में परिचालन को मानकीकृत और सुव्यवस्थित करेगी।
- ▶ सागर आंकलन (Sagar Ankalan): इसके तहत, वित्त वर्ष 2023-24 के लिए लॉजिस्टिक्स पोर्ट परफॉर्मेंस इंडेक्स (LPPI) सभी प्रमुख और अन्य बंदरगाहों का मूल्यांकन करेगा। यह मूल्यांकन बल्क (ड्राई व लिक्विड) और कंटेनर श्रेणियों के तहत किया जाएगा।
 - ⊕ प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों में कार्गो हैंडलिंग, टर्नअराउंड टाइम, बर्थ (Berth) आइडल टाइम, कंटेनर ड्रैग टाइम और शिप बर्थ-डे आउटपुट शामिल हैं।
 - ⊕ यह पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति, 2022 के अनुरूप है।
- ▶ भारत ग्लोबल पोर्ट्स कंसोर्टियम: यह लॉजिस्टिक्स का बेहतर प्रबंधन करेगा और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करेगा। साथ ही, यह मजबूत बंदरगाह अवसंरचना के विकास के जरिये निर्यात को बढ़ावा देकर 'मेक इन इंडिया' पहल का समर्थन करेगा।
 - ⊕ इसमें इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड (IPGPL) और सागरमाला डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (SDCL) जैसे प्रमुख हितधारकों को शामिल किया जाएगा।
- ▶ मैत्री/ MAITRI (मास्टर एप्लिकेशन फॉर इंटरनेशनल ट्रेड एंड रेगुलेटरी इंटरफेस) लोगो: यह व्यापार प्रक्रियाओं को व्यवस्थित करेगा, नौकरशाही से जुड़ी बाधाओं को कम करेगा और मंजूरी प्रक्रिया में तेजी लाएगा। इस तरह यह व्यवसाय करना आसान बनाएगा।
 - ⊕ मैत्री/ MAITRI पहल 'भारत-संयुक्त अरब अमीरात वर्चुअल ट्रेड कॉरिडोर (VTC)' को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
 - ⊕ यह भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEEC) योजना के अनुरूप है। साथ ही, इसका बिस्मटेक और आसियान सदस्य देशों तक भी विस्तार किया जाएगा। इससे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग करके व्यापार की दक्षता एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

कैली फंड

कैली फंड को संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता अभिसमय (CBD) के COP-16 में लॉन्च किया गया था।

कैली फंड के बारे में

- ▶ उद्देश्य: आनुवंशिक संसाधनों से संबंधित डिजिटल अनुक्रम सूचना (DSI) के उपयोग से होने वाले लाभों के निष्पक्ष और न्यायसंगत बंटवारे के लिए जैव-विविधता वित्त को बढ़ावा देना।
- ▶ डिजिटल अनुक्रम सूचना DNA या RNA से प्राप्त डेटा है, जिसे डिजिटल रूप से संग्रहीत किया जा सकता है।
- ▶ यह फंड UNDP, UNEP और CBD सचिवालय के बीच साझेदारी में मल्टी-पार्टनर ट्रस्ट फंड ऑफिस (MPTFO) द्वारा प्रबंधित किया जाता है।
- ▶ वित्त-पोषण: इस फंड को उन निजी क्षेत्र की संस्थाओं से योगदान मिलता है, जो DSI का वाणिज्यिक उपयोग करती हैं।
- ▶ उद्देश्य: कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैवविविधता फ्रेमवर्क (KMGBF) के कार्यान्वयन में सहायता करना।
- ▶ KMGBF विकासशील देशों द्वारा राष्ट्रीय जैव विविधता रणनीतियों और कार्य योजनाओं (NBSAPs) के क्रियान्वयन में सहायता करता है।
- ▶ संसाधनों का 50% हिस्सा महिलाओं और युवाओं सहित देशज लोगों एवं स्थानीय समुदायों की स्व-निर्धारित आवश्यकताओं के लिए आवंटित किया जाएगा।



हेग सर्विस कन्वेंशन

अमेरिकी SEC ने सेक्युरिटीज़ एंड वायर फ्रॉड केस में सम्मन जारी करने के लिए हेग सर्विस कन्वेंशन के तहत भारत सरकार से सहायता का अनुरोध किया।

➤ यहां सेक्युरिटीज़ एंड वायर फ्रॉड का अर्थ है निवेश संबंधी और इलेक्ट्रॉनिक संचार के साधनों के माध्यम से की गई धोखाधड़ी।

हेग सर्विस कन्वेंशन के बारे में

- उत्पत्ति: यह 1965 में प्रभावी हुआ था।
- प्रकृति: यह एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है, जो अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के पार कानूनी दस्तावेजों (विशेष रूप से उनकी प्रतियों) को सौंपने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करती है।
- हस्ताक्षरकर्ता: 84 देश।
 - ⊕ भारत 2006 में कुछ शर्तों के साथ इसमें शामिल हुआ था।
 - ⊕ यह राजनयिक या कांसुलरी चैनलों के माध्यम से न्यायिक दस्तावेजों की प्रदायगी पर प्रतिबंध लगाता है, सिवाय इसके कि प्राप्तकर्ता अनुरोध करने वाले देश का नागरिक हो।
- इस तरह से दस्तावेजों के आदान-प्रदान के लिए भारत का विधि और न्याय मंत्रालय केंद्रीय प्राधिकरण है।



ओसेलॉट

अमेज़न ने 'ओसेलॉट' नामक क्वांटम कंप्यूटिंग चिप लॉन्च की।

ओसेलॉट के बारे में

- यह एक प्रोटोटाइप है, जिसमें उपयोगी क्वांटम मशीन बनाने के लिए आवश्यक कम्प्यूटिंग शक्ति का केवल एक छोटा-सा हिस्सा है।
- प्रमुख विशेषताएं:
 - ⊕ इसमें दो एकीकृत सिलिकॉन माइक्रोचिप्स लगे हैं।
 - ⊕ इसके उच्च गुणवत्ता वाले ऑसिलेटर्स टैटलम नामक अतिचालक पदार्थ की एक पतली फिल्म से बने हैं।
- इसमें कैट क्यूबिट्स का उपयोग किया गया है। यह नाम प्रसिद्ध 'श्रोडिंजरस कैट' नामक थॉट एक्सपेरिमेंट के नाम पर रखा गया है।
 - ⊕ 'श्रोडिंजरस कैट' नामक इस थॉट एक्सपेरिमेंट में, एक बंद बॉक्स में रखी बिल्ली तब तक एक साथ जीवित और मृत मानी जाती है (सुपरपोज़िशन) जब तक कि उसे कोई देखकर उसकी वास्तविक स्थिति की पुष्टि न कर दे।
- मुख्य लाभ: यह मौजूदा तरीकों की तुलना में क्वांटम एरर करेक्शन (लुटि सुधार) की लागत को 90% तक कम कर सकता है।



पेट्रीफिकेशन

झारखंड के पाकुड़ में राजमहल पहाड़ियों में पेट्रीफाइड वुड जीवाश्म की अपनी तरह की पहली खोज की गई है।

पेट्रीफिकेशन के बारे में

- यह एक प्रक्रिया है, जिसमें कार्बनिक या जैविक पदार्थ पूरी तरह से खनिजों में तब्दील हो जाता है और जीवाश्म पत्थर का रूप ले लेता है।
 - ⊕ पर्मिनरलाइजेशन एक प्रकार का जीवाश्म है, जिसमें पादप पदार्थों, हड्डियों और शैल्स के छिद्र मृदा, झीलों या समुद्र से खनिज पदार्थ से भर जाते हैं।
- इससे मूल ऊतक की हर छोटी-से-छोटी जानकारी पूरी तरह से संरक्षित रहती है।
- इस प्रकार का जीवाश्मीकरण कठोर और कोमल दोनों ऊतकों में होता है।



नेवल (नौसेना) एंटी-शिप मिसाइल-शॉर्ट रेंज (NASM-SR)

DRDO और भारतीय नौसेना ने पहली स्वदेशी नेवल एंटी-शिप मिसाइल (NASM-SR) का सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR), चांदीपुर से किया गया है।

NASM-SR की मुख्य विशेषताएं

- स्वदेशी इमेजिंग इंफ्रारेड (IIR) सीकर: यह उच्च-सटीकता वाली स्ट्राइक (हमला) को संभव बनाता है।
- मैन-इन-लूप कंट्रोल: यह रियल टाइम में लक्ष्य को समायोजित करने की सुविधा प्रदान करता है।
- प्रणोदन प्रणाली: यह इन-लाइन इजेक्टेबल बूस्टर और लॉन्ग-बर्न सस्टेनर के साथ ठोस ईंधन प्रणाली का उपयोग करता है। इससे इसकी मारक क्षमता और दक्षता बढ़ती है।
- अन्य: इसमें फाइबर ऑप्टिक जाइरोस्कोप-आधारित इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम (INS) जैसी उन्नत स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को शामिल किया गया है।
- इसका निम्नलिखित महत्त्व है:
 - ⊕ यह नौसेना की स्ट्राइक क्षमता को बढ़ाता है;
 - ⊕ स्वदेशी रक्षा उत्पादन को प्रोत्साहित करता है;
 - ⊕ नौसेना के अभियानों में अधिक लचीलापन प्रदान करता है आदि।



स्ट्रैटोवोलकेनो

एक दुर्लभ घटना में माउंट फेंटले ज्वालामुखी से मीथेन गैस का विशाल गुबार निकला है। यह ज्वालामुखी इथियोपिया में स्थित है।

➤ माउंट फेंटले एक स्ट्रेटो ज्वालामुखी है, जिसमें अंतिम बार 1820 में प्रस्फुटन हुआ था।

स्ट्रेटोवोलकेनो के बारे में

- स्ट्रेटोवोलकेनो या स्ट्रेटोज्वालामुखी लावा प्रवाह और ज्वालामुखीय राख की परतों से निर्मित एक विशाल व खड़ी ढाल वाला ज्वालामुखी होता है। इस प्रकार के ज्वालामुखियों से अक्सर विस्फोट या उदगार होते हैं।
- उदाहरण के लिए- माउंट फूजी (जापान), माउंट वेसुवियस (इटली), माउंट एटना (इटली), माउंट रेनियर (अमेरिका), माउंट क्राकाटाओ (इंडोनेशिया), आदि।

मीथेन के विशाल गुबार के बारे में

- यह गैस ड्रिलिंग स्थलों जैसे अत्यधिक बड़े उत्सर्जन स्थलों से विशाल मात्रा में मीथेन का उत्सर्जन है।
- मीथेन एक शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस है। 20 वर्ष की अवधि में इसकी ग्लोबल वार्मिंग क्षमता (GWP) कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में 80 गुना अधिक होती है।



आधार/ Aadhaar गुड गवर्नेस पोर्टल

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने आधार गुड गवर्नेस पोर्टल लॉन्च किया।

आधार गुड गवर्नेस पोर्टल के बारे में

- उद्देश्य: आधार प्रमाणीकरण अनुरोधों की अनुमोदन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना।
 - ⊕ यह आधार को अधिक जन-अनुकूल बनाने के प्रयासों के अनुरूप है।
 - ⊕ यह निजी कंपनियों के कस्टमर-फेसिंग ऐप्स में फेस ऑथेंटिकेशन को एकीकृत करने में मदद करेगा, जिससे कहीं भी, कभी भी प्रमाणीकरण संभव हो सकेगा।
- यह प्लेटफॉर्म सुशासन के लिए आधार प्रमाणीकरण (सामाजिक कल्याण, नवाचार व ज्ञान) संशोधन नियम, 2025 के बाद प्रभाव में आया है।
 - ⊕ इस नियम के तहत सरकारी और गैर-सरकारी दोनों संस्थाएं आधार प्रमाणीकरण सेवा का उपयोग कर सकती हैं।

सुर्खियों में रहे व्यक्तित्व



श्री नानाजी देशमुख (1916 – 2010)

केंद्रीय गृह मंत्री ने भारत रत्न नानाजी देशमुख की 15वीं पुण्यतिथि पर आयोजित स्मृति दिवस समारोह को संबोधित किया।

श्री नानाजी देशमुख के बारे में

- नानाजी देशमुख का जन्म महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में हुआ था।
- नानाजी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित 'एकत्म मानववाद' के दर्शन को मान्यता दिलाने के लिए 1972 में दीनदयाल शोध संस्थान (DRI) की स्थापना की थी।
- प्रमुख योगदान
 - ⊕ वे लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में संचालित 'संपूर्ण क्रांति' के प्रवर्तक थे। उन्होंने 1975 में लगे आपातकाल का विरोध किया था।
 - ⊕ उन्होंने आचार्य विनोबा भावे द्वारा शुरू किए गए भूदान आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया था।
 - ⊕ उन्होंने चित्तकूट में चित्तकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की स्थापना की थी तथा इसके प्रथम कुलाधिपति नियुक्त किए गए थे। यह भारत का पहला ग्रामीण विश्वविद्यालय था।

